CHOITHRAM SCHOOL. NORTH CAMPUS. NIPANIA. INDORE.
ANNUAL PADAGOGICAL PLAN-6th HINDI (TERM-2)
SESSION-2023-2024

WHAT ARE THE	Example:	COMPILATION OF PROBLEMS.	CATEGORISATION OF PROBLEMS (SPECIFIC AND
वर्तनीगत अशदधियाँ	(की-कि, पिता-पीता, कक्षा/कक्शा, ह्रस्व/दीर्घ-अ,इ,उ, ऋ, ए,	वर्तनी प्रयोग की समझ तथा शब्द भंडार का अभाव	विशिष्ट (विषयपरक) समस्या - वर्तनी प्रयोग तथा शब्द भंडार का
उच्चारण सम्बन्धी	(अखबार को अकबार, क्यों को क्यँ, अस्पताल को हस्पताल,	उच्चारणगत समस्याएं / शब्द भण्डार का अभाव / वाक्य	विशिष्ट (विषयपरक) समस्या - शब्दावली के अभाव + वर्तनीगत
वाक्य रचना/संरचना	- गदय/पदय के अनसार उचित नहीं होती (वाक्य रचना के	श्रवण - एकाग्रता एवं शब्द भण्डार का अभाव, रुचि,	विषयवस्त के लिए समस्या - कल्पनाशीलता का अभाव, भाषा स्तर
	अनच्छेद लेखन के अंतर्गत दिए गए विषयों पर	पठन / वाचन - वर्तनिकी अशदधियाँ, (उच्चारण सम्बंधित),	
	उससे सम्बंधित घटना/ कहानी लिखने में कठिनाई का	वाचन + लेखन - अर्थबोध तथा उचित विराम चिन्हों के	
		प्रस्ततीकरण - एकता तथा समह भावना का अभाव	
लेखन कौशल	**विज्ञापन निर्माण -** विज्ञापन निर्माण में आकर्षक पंचलाइन	विषयानरूप भाषा, विषयवस्त, स्तरानकल नहीं, वर्तनीगत	विशिष्ट (विषयपरक) समस्या - विषयवस्त के लिए कल्पनाशीलता
	अनच्छेद लेखन - अनच्छेद लेखन में दिए गए विषय पर		व्यावहारिक समस्या - कल्पनाशीलता का अभाव । विश्लेषण क्षमता
	पत्र लेखन - इसके माध्यम से छात्र अपने विचारों तथा भावों		
	- शदध लेखन, मात्राओं की अशदधियाँ, वाक्य संरचना में		
	संवाद लेखन - संवाद लेखन हेत प्राथमिक नियमावली का		
	रेखाचित्र लेखन - कम शब्दों में मर्मस्पर्शी, भावपर्ण एवं		
	कहानी लेखन / वाचन लेखन - कहानी लेखन हेत अनेकोनेक		
	नारा लेखन/पोस्टर निर्माण - तकान्तक शब्दावली तथा		
वाचन एवं पठन कौशल	आत्मविश्वास का अभाव (शारीरिक चेष्टा, हाव-भाव, धारा-	वर्तनी की अशदधियाँ (उच्चारण सम्बन्धी), विराम चिह्नों	विशिष्ट (विषयपरक) समस्या - उचित विराम चिह्नों का प्रयोग कर
	सस्वर वाचन का अभाव (कविता)		व्यावहारिक समस्या - आत्मविश्वास की कमी, भावनाओं को जोड
	वाचन करने में कठिनाई (उचित विराम चिन्हों का प्रयोग कर		व्यवहारिक समस्या - कल्पनाशीलता का अभाव, समयानसार उत्तर
	वर्तनीगत समस्याओं के कारण पढने में कठिनाई का अनभव	अर्थबोध के साथ उचित विराम का प्रयोग नहीं करना	
	अतिरिक्त वाचन का अभाव,		व्यावहारिक समस्या - अर्थबोध का अभाव
अभिव्यक्ति कौशल	आत्मविश्वास की कमी (शारीरिक चेष्टाएँ, हाव-भाव, धारा-		
	उच्चारण सम्बन्धी समस्याएं देखने को मिलती हैं, शब्द		
	मानक भाषा का अभाव		
श्रवण कौशल	छात्र एकाग्रता की कमी के कारण कक्षा में पढाये गए पाठ /	एकाग्रता एवं उचित शब्द संपदा का अभाव	व्यावहारिक समस्या - एकाग्रता तथा रुचि का अभाव
	प्रस्ततीकरण समस्याएं - आपसी सहयोग अवं तारतम्यता का	समह भावना का अभाव	व्यावहारिक समस्या - समह भावना का अभाव

ANNUAL PADAGOGIAL PLAN - 6th Term 2 HINDI (2023-2024)

KPI NAME	KPI DEFINATION	WHERE ARE WE NOW? (scale & description)	KPI GOAL	KPI LIMIT	WHAT WE NEED TO DO ?	HOW WILL IT BE ACHIEVED	KPI MEASUREMENT	REVIEW	KPI REPORTING/achivement	KPI Improvement
वर्तनी प्रयोग तथा शब्द भंडार को बढ़ाना (हिन्दी भाषा में छात्रों का प्रदर्शन कक्षा सातवीं के स्तरानुसार)	1 वर्तनीगत अशुद्धियों को कराने का अभ्यास (की-कि, पिता-पीता, कक्षा/कक्शा, ह्रस्व/दीर्घ-अ,इ, उ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ आदि का अनुप्रयोग,'र' के विविध प्रयोग, आधे अक्षरों का प्रयोग, संयुक्ताक्षरों का उचित प्रयोग, अनुस्वार, अनुनासिक का प्रयोग करना)	50% बच्चे लेखन के दौरान वर्तनीगत शुद्धियों का ध्यान रखते हैं जैसे- आशीर्वाद, अस्पताल, विद्यार्थी, क्यों, क्योंकि,परीक्षा, परिवर्तन, हंस, हँस, आदि (कक्षा कार्य, गृह कार्य, श्रुतलेख, अनुलेख के द्वारा)	60%	±2	वर्णों के उच्चारण स्थान का बोध व सही प्रयोग स्पष्ट करना | (कक्षा में शिक्षण के दौरान इस बात को बार-बार स्पष्ट करेंगे कि वैचारिक अभिव्यक्ति के लिए शब्दों का शुद्ध प्रयोग आवश्यक है, अन्यथा अर्थ का अनर्थ होने में भी देर नहीं लगती ।) App-Implementing	श्रुतलेख, अनुलेख, वर्गपहेली आदि के द्वारा वर्णों के उचित प्रयोग व शब्दभंडार में वृद्धि करने का अभ्यास देकर वर्तनीगत अशुद्धि को दूर करने का और अधिक प्रयास किया जाएगा । कई बार क्षेत्रीयता, उच्चारण भेद और व्याकरणिक ज्ञान के अभाव के कारण वर्तनी संबंधी अशद्धियाँ हो जाती हैं इस	कक्षा के दौरान	प्रत्येक माह के अंत में		
	2 सही उच्चारण व उचित शब्दावली प्रयोग के द्वारा वाक्य विन्यास करना (लिंग/वाचन/काल,क्रिया,कर्म, क्रम आदि का ध्यान रखना - अशुद्ध-एक फूलों की माला / शुद्ध-फूलों की एक माला)	60% बच्चे लेखन के दौरान उचित शब्दावली व शुद्ध वाक्य निर्माण का ध्यान रखते हैं	70%	±2	वाक्य विन्यास के नियमों का ध्यान रखना तथा अर्थबोध हेतु उचित शब्दों का प्रयोग करना (अशुद्ध रूप – शहीदों का देश सदा आभारी रहेगा। शुद्ध रूप – देश शहीदों का सदा आभारी रहेगा।) (अशुद्ध रूप – कृपया आप मेरे घर आने की कृपा करें। शुद्ध रूप – आप मेरे घर आने की कृपा	कक्षा के दौरान छोटे-छोटे वाक्य निर्मित कर उसमें निहित भाव की स्पष्टता के द्वारा, स्वेच्छा से पसंदीदा विषय का चुनाव कर लिखित अभिव्यक्ति के द्वारा (रेखाचित्र लेखन-अपने पसंदीदा पशु-पक्षी का)	दो पाठों के पश्चात	विषय संवर्धन गतिविधि के बाद		
		55% बच्चे वाचन के दौरान सही उच्चारण व उचित शब्दावली के चुनाव का ध्यान रखते हैं	60%	±2	कई बार क्षेत्रीयता, उच्चारण भेद और व्याकरणिक ज्ञान के अभाव के कारण वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ हो जाती हैं इस बात का भी ध्यान रखने के लिए प्रेरित करेंगे |	कक्षा गतिविधि के माध्यम से-पाठ **झांसी की रानी** पर कक्षा चर्चा (रानी लक्ष्मी बाई के जीवन से मिलने वाली सीख का जीवन पर प्रभाव) तथा पाठ **संसार पस्तक है** को कक्षा	दो पाठों के पश्चात	दो पाठों के पश्चात		
	3 लिखित अभिव्यक्ति में विषयवस्तु के लिए कल्पनाशीलता, क्षेत्रीय बोलियों का प्रभाव (संपट, ढुल जाना, पे, करी आदि)	55% बच्चे लेखन गतिविधियों (विज्ञापन/संवाद/पत्र आदि) के दौरान विषयवस्तु की सम्बद्धता तथा कल्पनाशीलता को परिलक्षित करते हैं तथा क्षेत्रीय बोलियों के शब्दों के अनुचित प्रयोग को समझकर इसका ध्यान रखते हैं	65%	±3	कार्यप्रणाली में बदलाव (शिक्षण अधिगम में परिवर्तन, वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरण का प्रयोग बढ़ाकर) समसामयिक व रुचिकर विषय का चुनाव जिससे बच्चे की प्रस्तुति प्रभावी एवं सटीक होगी (कारण वे उस दिशा में सोच सकें), कहानी सुनाकर/विडियो दिखाकर निहित विषयवस्तु के द्वारा सीखी गई सीख को प्रस्तुत करेंगे Synthesis-Generating	पाठ **जो देखकर भी नहीं देखते** एक रेखाचित्र है जिसमें लेखन की विधाओं को सरलता से जोड़ा जा सकता है - 1.रेखाचित्र लेखन 2. पत्र लेखन (औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र लेखन)	दो पाठों के पश्चात	प्रत्येक पाठ के उपरान्त		
	4 पाठोपरांत प्रश्नोत्तर का प्रभावी प्रदर्शन	65% बच्चे पाठोपरांत प्रश्नों के उत्तर सटीक व प्रभावी रूप में देते हैं (प्रश्नों के उत्तर बिंदु सटीक व स्पष्ट होते हैं) (प्रश्न को समझ कर उसमें निहित आशय के अनुरूप उत्तर का ध्यान रखते हैं)	75%	±3	प्रश्न निर्माण व सटीक उत्तर बिन्दुओं को समाहित कर प्रभावी उत्तर को स्पष्ट करेंगे Evaluating-Checking	कक्षा में, पाठोपरांत विद्यार्थी प्रश्न निर्माण करेंगे तत्पश्चात आपस में बनाये गए प्रश्नों के उत्तर (बिंदु रूप में) साझा करेंगे। अभ्यास पत्रकों के माध्यम से अपनी भाषा में लिखना सीखेंगे।	प्रत्येक पाठ के उपरान्त/ सत्रांत परीक्षा के साथ	प्रत्येक पाठ के उपरान्त		
बोलना/पढ़ना कौशल-विराम चिह्नों का सही स्थान पर अनुप्रयोग, आत्मविश्वास को बढ़ाना, अधिकाधिक वर्तनी शुद्धि का अभ्यास	5.1 शुद्ध उच्चारण व उचित उतार-चढ़ाव तथा हाव-भाव के साथ प्रभावी बोलना/पढ़ना	65% बच्चे दिए गए विषयों के अनुरूप बोलने में सक्षम हैं (कक्षा गतिविधि तथा खुले मंच के आधार पर प्रभावी बोलना/पाठ पढ़ना)	60%	±3	बंधन मुक्त विषय पर बोलने का अवसर देकर तथा गलत बोलने पर सही उच्चारण हेतु प्रेरित कर बार-बार बोलने के लिए प्रेरित करेंगे Understanding-Infering	सुभद्रा कुमारी चौहान रचित कविता झांसी की रानी को आधार बनाकर सस्वरवाचन करते हुए उन्मुक्त स्वर में काव्य पाठ करना सीखेंगे।	दो पाठों के पश्चात	प्रत्येक पाठ के उपरान्त		
	5.2 उचित विराम चिह्नों का प्रयोग कर भावानुकूल पठन/वाचन करना जैसे- पूर्ण विराम, अल्प विराम, विस्मयादि बोधक आदि	60% बच्चे विराम चिह्नों का सही स्थान पर अनुप्रयोग करते हुए पठन/वाचन करने में कुशल हैं (कक्षा में पाठ के वाचन का तरीका)	65%	±3	आदर्श वाचन के पश्चात बच्चों को प्रेरित करेंगे, गलत बोलने पर सही उच्चारण हेतु प्रेरित कर बार-बार बोलने के लिए प्रेरित करेंगे, सुधार के साथ कक्षा में उनका	कविता **मैं सबसे छोटी होऊं** से कोई अन्य मूल्य आधारित कविता वाचन करेंगे, कहानी मंत्र को आधार बनाकर नवीन कहानी/कहानी के	दो पाठों के पश्चात	प्रथम सत्रांत के साथ		
आत्मविश्वास को बढ़ावा देना, भावनाओं को जोड़ने में कुशल बनाना |	6 कल्पनाशीलता को बढ़ाना, संवेदनशीलता तथा जीवन मूल्यों के प्रभाव को विकसित करना |	65% बच्चे कल्पनाशीलता के साथ अपने विचारों को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने में कुशल हैं | प्रदर्शन के दौरान विश्लेषण क्षमता का प्रभाव परिलक्षित होता है | (प्रश्नोत्तर/कक्षा चर्चा के द्वारा)	65%	±3	छोटे-छोटे विषय देकर उस पर विचार प्रस्तुत करेंगे, उदाहरण देकर उसे अनुप्रयोग कर नवीन परिवर्तन निर्मित करने हेतु प्रेरित करेंगे Understanding-Comparing	विषय के साथ सहायक बिंदु देकर उस पर विचार प्रस्तुति, पाठ में निहित मूल्यों पर चर्चा	सत्रांत के आधार पर	प्रथम सत्रांत के साथ		
	7 आपसी सहयोग व सामंजस्य की भावना विकसित करना	75% बच्चे कक्षा गतिविधियों तथा अन्य सामूहिक गतिविधियों (विषय संवर्धन गतिविधि) के दौरान आपसी सहयोग व सामंजस्य की भावना परिलक्षित करते हैं	80%	±2	छोटे-छोटे प्रेरक प्रसंगों को बच्चों के साथ साझा करेंगे तथा आपसी सहयोग से होने वाले फायदे एवं महत्त्व की समझ विकसित करने हेतु प्रेरित करेंगे Evaluate-Critiquing	समूह की गतिविधियों के द्वारा सहयोग, सहभागिता व उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना	विषय संवर्धन गतिविधि के आधार पर	त ैमासिक संवर्धन गतिविधि के बाद		
समयानुसार कार्य पूर्ण करना (कक्षा कार्य, गृह कार्य, विषय सम्बंधित अन्य गतिविधियाँ)	8 समय नियोजन के महत्त्व को समझाना	75% बच्चे अपना कार्य नियत समयावधि में पूर्ण करते हैं (कक्षा कार्य/गृह कार्य पुस्तिका, विषय संवर्धन गतिविधियों का क्रियान्वयन)	70%	±2	समय के महत्त्व को समझाकर उन्हें दिए गए गृह कार्य/आषायी गतिविधियों को समयांतराल में पूर्ण करने हेतु प्रेरित करेंगे Evaluate-Critiquing	समय के महत्त्व पर विचार विमर्श कर जीवन मूल्यों का विकास करना	त्रैमासिकके आधार पर	त ैमासिक संवर्धन गतिविधि के बाद		